Extension Leaflet : 02/2018

Goa Bio-2: Bio-formulation for plant health management of field, vegetable crops and black pepper in Coastal regions

Product details:

Organism: *Bacillus methylotrophicus* RCh6-2b

Formulation: Talc based

Population: >10^8 CFU/g

Shelf life: 18 months

Recommended crops: Vegetable crops (Brinjal, tomato, chilli and cucumber), black pepper, fruit and plantation crop nurseries

Benefits:

Improved plant growth parameters, plant health and yield
Reduced soil borne diseases incidence in brinjal, chilli and black pepper
Important component in IPM & INM strategy
Eco-friendly hence fits in organic farming concept

Crops treated with Goa Bio-2

Delivery methods:

Efficient and easy delivery methods *viz.* nursery application and soil application during and after planting were validated in various crops.

Recommended dose:

Nursery application: 50 g/m^2 as soil application or mix with water and apply if plants are established.

Main field:

Soil application: Apply 1.25-1.50 g/plant in case of vegetables (drench the suspension made of water).

Apply 50 g/plant in case of black pepper and other plantation crops as powder while planting or drench the suspension made of water if the planting has already been done.

For mango grafts, apply 5 g/bag as powder before raising root stock and apply 2.5 g/plant after one month by drenching the suspension. Application to be repeated every year in case of black pepper and other plantation crops.

Technology developed by: **R Ramesh**
Published by: **Director, ICAR- CCARI**
Ph: 0832-2284677 / 2284678/79 | Website: www.ccari.res.in | Email: director.ccari@gov.in

ISO 9001:2015
ICAR- Central Coastal Agricultural Research Institute
Old Goa - 403402, Goa

Extension Leaflet : 02/2018

गोवा बायो –2: तटीय क्षेत्रों में क्षेत्रीय एवं सब्जी फसलों और काली मिर्च के स्वास्थ प्रबंधन के लिए बायोफोर्मुलेशन

Product details:

उत्पाद विवरण:
जीव: बैसिलस मिथायलोट्रोफिकस आर.सी.एच.–6–2 बी.
फॉर्मूलेशन : टैल्क आधारित
आबादी : 10^8 सी.एफ.यू./ग्राम
भण्डारण अवधि : 18 महीने

अनुशंसित फसलें: सब्जी (बैंगन, टमाटर, मिर्च और खीरा), काली मिर्च तथा फल एवं बागानी फसलों की नर्सरी में

फायदे:

पौंधों का बेहतर स्वास्थ्य विकास व उपज।
बैंगन, मिर्च और काली मिर्च में मृदा संबंधी बीमारियों का नियंत्रण।
एकाकृत कीट प्रबंधन प्रणाली का महत्वपूर्ण घटक।
पर्यावरण अनुकूल, अतः जैविक कृषि प्रणाली के लिए उपयुक्त।

गोवा बायो–2 अनुप्रयोग

अनुप्रयोग विधि
गोवा बायो–2:
इसका प्रयोग नर्सरी में और मृदा में बुवाई और उसके पश्चात किया जा सकता है।

अनुशंसित खुराक:
नर्सरी हेतु: 50 ग्राम प्रति वर्ग मीटर बायोफॉर्मूलेशन बुवाई से पूर्व सीधे मृदा में या पौंधों के लिए पानी में मिलाकर इस्तेमाल किया जा सकता है।

क्षेत्र फसलों में:
उपचार: (मृदा हेतु): सब्जियों में 1.25–1.5 ग्राम प्रति पौधा पानी के साथ घोल बनाकर ड्रैंच किया जा सकता हैं।
काली मिर्च और फसलों में 50 ग्राम प्रति पौधा रोपण करते समय अथवा पानी मे घोल बनाकर डाला जा सकता है।
आम के कलम में जड के अच्छे विकास हेतु कलम लगाने से पहले मृदा में 5 ग्राम प्रति थैली के हिसाब से और एक महिने बाद 2.5 ग्राम घोल बनाकर ड्रैंच करना चाहीए। काली मिर्च एवं अन्य बागानी फसलों में हर साल बायो फॉर्मुलेशन का अनुप्रयोग आवश्यक है।

तकनीकी विकास: आर रमेश
प्रकाशन: निदेशक, भाकृअनुप–केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान, ओल्ड गोवा
फोन: 0832-2284677 / 2284678/79 | Website: www.ccari.res.in | Email: director.ccari@gov.in

ISO 9001:2015
भाकृअनुप–केन्द्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान
ओल्ड गोवा–403402, गोवा